

PLI और भारत का विकास पारस्थितिकी तंत्र

प्रलिमिंस के लिये:

उत्पादन-लकिड प्रोत्साहन योजना (Production Linked Incentive scheme-PLI), वनिरिमाण क्षेत्र, ईज़ ऑफ डूइंग बज़िनेस, 5G, ग्रीन टेक्नोलॉजी, कार्बन फुटप्रिंट, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स, वन-डसिडरकिट-वन-प्रोडक्ट, SFURTI

मेन्स के लिये:

उत्पादन-लकिड प्रोत्साहन योजना के तहत उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, भारत के विकास पथ में PLI का योगदान

चर्चा में क्यों?

दुनिया [कोविड-19 महामारी](#) के मद्देनज़र एक नए आर्थिक वातावरण के साथ समायोजति हो रही है, ऐसे समय में **भारत** वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में खुद को एक प्रमुख अभकिर्त्ता के रूप में स्थापति करने के लिये इसे **रणनीतिक अवसर** के तौर पर देख रहा है।

- **उत्पादन-लकिड प्रोत्साहन (PLI)** योजना के लिये वनिरिमाण उद्योग की सकारात्मक प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप **श्रम बल कौशल को उन्नत करने, पुरानी मशीनरी को बदलने, उत्पादन बढ़ाने, सुव्यवस्थिति रसद और संचालन सुनश्चिति किया जाने की संभावना है**, जसिसे भारत को **वनिरिमाण क्षेत्र में** एक प्रमुख अभकिर्त्ता के रूप में उभरने का अवसर प्राप्त होगा।

SOP STORY SO FAR

SECTORS WHERE PLI SCHEME HAS BEEN ANNOUNCED

March 2020

➤ Key starting materials (KSMs)/ drug intermediates (DIs) and active pharmaceutical ingredients (APIs)

➤ Large scale electronics manufacturing



➤ Medical devices

➤ Food products

➤ White goods (ACs & LED)



➤ High-efficiency solar PV modules

➤ Automobiles & auto components



➤ Advance chemistry cell (ACC) battery

November 2020

➤ Electronics/ technology products

➤ Pharmaceuticals drugs



➤ Textiles— MMF segment and technical textiles

➤ Specialty steel

➤ Telecom & networking products

Sept 2021

➤ Drones and drone components



उत्पादन-लकिड प्रोत्साहन योजना (PLI):

परिचय:

- भारत सरकार द्वारा 14 प्रमुख वनिरिमाण क्षेत्रों में PLI योजना की शुरुआत वनिरिमाण उद्योग के लिये अपने रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की दशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
 - 1.97 लाख करोड़ रुपए के बजट के साथ यह योजना वभिन्न प्रोत्साहनों और सहयोग उपायों के माध्यम से लक्षित उद्योग के विकास और स्थिरता को प्रोत्साहित करने के लिये अच्छी तरह से डिज़ाइन की गई है।
- मार्च 2020 में शुरू की गई इस योजना ने प्रारंभ में तीन उद्योगों को लक्षित किया:
 - मोबाइल और संबद्ध घटक वनिरिमाण
 - वदियुत घटक वनिरिमाण
 - चकित्सीय उपकरण

लक्षित क्षेत्र:

- इसके तहत लक्षित 14 क्षेत्र इस प्रकार हैं- मोबाइल वनिरिमाण, चकित्सीय उपकरणों का निर्माण, ऑटोमोबाइल और ऑटो घटक, फार्मास्यूटिकल्स, दवाएँ, विशेष इस्पात, दूरसंचार और नेटवर्कगि/संजाल उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, एसी और एलईडी, खाद्य उत्पाद, वस्त्र उत्पाद, सौर पीवी मॉड्यूल, उन्नत रसायन विज्ञान सेल (Advanced Chemistry Cell-ACC) बैटरी और ड्रोन एवं ड्रोन संबंधित घटक।

योजना के तहत प्रोत्साहन:

- दिये जाने वाले प्रोत्साहनों की गणना बढ़ी हुई बकिरी के आधार पर की जाती है।
 - उन्नत रसायनिक सेल बैटरी, वस्त्र उत्पाद और ड्रोन उद्योग जैसे कुछ क्षेत्रों में दिये जाने वाले प्रोत्साहनों की गणना पाँच वर्ष की अवधि में की गई बकिरी, प्रदर्शन तथा स्थानीय मूल्यवर्द्धन के आधार पर की जाएगी।
- अनुसंधान एवं विकास हेतु नविश पर जोर दिये जाने से किसी भी उद्योग को वैश्विक रुझानों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में प्रतिस्पर्धी

बने रहने में मदद मिलेगी।

भारत के विकास पारिस्थितिकी तंत्र में PLI की भूमिका:

- **आयात नरिभरता में कमी:** वनरिमाण परदृश्य में यह बदलाव वैश्विक व्यापार पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है, साथ ही एकल-स्रोत देश पर नरिभरता को कम कर सकता है और उत्पादन के स्रोतों में वविधिता ला सकता है।
- **मांग की आपूर्ति: 4G और 5G** उत्पादों को तेज़ी से अपनाने के साथ खासकर दूरसंचार एवं नेटवर्कगि क्षेत्रों में उत्पादन की मात्रा में हुई वृद्धि उपभोक्ताओं की मांग को पूरा कर रही है।
 - बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनकिस वनरिमाण (Large-Scale Electronics Manufacturing- LSEM) क्षेत्र में **PLI योजना के सफल परणाम देखे गए हैं, भारत में उपयोग किये जाने वाले 97% मोबाइल फोन्स का नरिमाण अब भारत में ही कया जा रहा है।** PLI योजना के तहत सतिंबर 2022 तक LSEM क्षेत्र के लयि 4,784 करोड़ रुपए का नविश आकर्षति कया गया और 41,000 अतरिकित नौकरयि सृजति की गई।
- **कार्बन फुटप्रटि में कमी:** PLI योजना के तहत **हरति प्रौद्योगकियिं** पर ज़ोर दयि जाने से **कार्बन फुटप्रटि** को कम करने में मदद मिलेगी और भारत, **हरति नीतिका र्यानवयन में अग्रणी के रूप में स्थापति होगा।**
- **मुक्त व्यापार समझौतों को बढ़ावा देना:** बेहतर उत्पादकता बेहतर बाज़ार पहुँच के लयि **मुक्त व्यापार समझौतों** को बढ़ावा दे रही है और बकिरी में वृद्धि से बेहतर लॉजसिटिकि कनेक्टिविटी की मांग बढ़ रही है।
- **ग्रामीण भारत के विकास को आगे बढ़ावा देना:** भारत सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के उद्योगों और कारीगरों को देश की विकास गाथा का हसिसा बनने में मदद करने के लयि राज्यों के साथ मलिकर काम कर रही है।
 - यह कार्य स्थानीय वयवसायों का समर्थन करने के लयि **"एक जिला-एक-उत्पाद"** और पारंपरिक उद्योगों को बेहतर बनाने हेतु **"सफूर्ति (SFURTI)"** जैसी पहलों के माध्यम से कया जा रहा है।

[स्रोत: द हद्रि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pli-and-india-s-growth-ecosystem>

